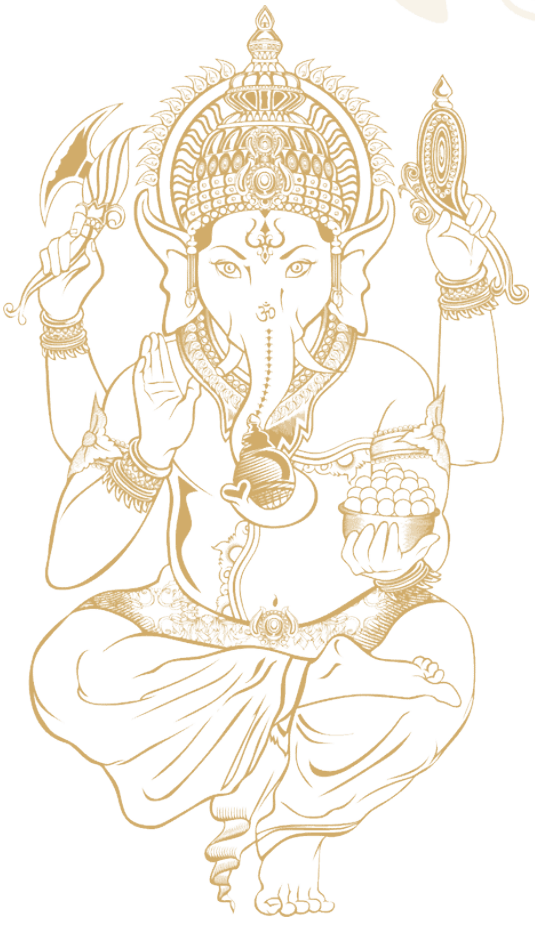

Vaibhav Falguni

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121845606

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/08/1998	जन्म तिथि	12/09/1997
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 18:10:00	जन्म समय	07:21:00 घंटे
घटी 30:39:58	जन्म समय(घटी)	02:55:26 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Khejroli
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	27:20:04 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:41:51 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:27:13 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:00	सूर्योदय	06:11:11
19:10:25	सूर्यास्त	18:35:21
23:50:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:27

विंशोत्तरी
चन्द्र 7वर्ष 2मा 22दि

राहु	
29/10/2012	
30/10/2030	
राहु	12/07/2015
गुरु	05/12/2017
शनि	11/10/2020
बुध	30/04/2023
केतु	18/05/2024
शुक्र	18/05/2027
सूर्य	11/04/2028
चन्द्र	11/10/2029
मंगल	30/10/2030

अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश
04:49:34	मक	लग्न	कन्या	10:14:12
20:58:42	कर्क	सूर्य	सिंह	25:31:25
13:41:45	मक	चंद्र	धनु	20:40:23
27:32:48	मिथु	मंगल	तुला	24:38:37
02:05:16	सिंह व	बुध	सिंह	09:10:55
03:32:44	मीन व	गुरु व	मक	19:22:09
29:01:24	मिथु	शुक्र	तुला	06:09:19
09:44:00	मेष	शनि व	मीन	25:08:55
07:38:14	सिंह व	राहु	सिंह	25:54:45
07:38:14	कुंभ व	केतु	कुंभ	25:54:45
16:45:44	मक व	हर्ष व	मक	11:19:55
06:32:38	मक व	नेप व	मक	03:33:05
11:28:54	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	09:14:54

विंशोत्तरी
शुक्र 8वर्ष 11मा 26दि

मंगल	
09/09/2022	
08/09/2029	
मंगल	05/02/2023
राहु	23/02/2024
गुरु	29/01/2025
शनि	10/03/2026
बुध	07/03/2027
केतु	03/08/2027
शुक्र	02/10/2028
सूर्य	07/02/2029
चन्द्र	08/09/2029

लग्न-चलित

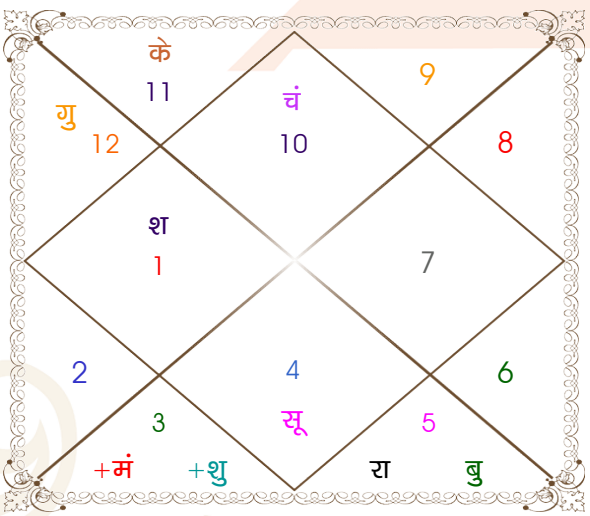

लग्न-चलित

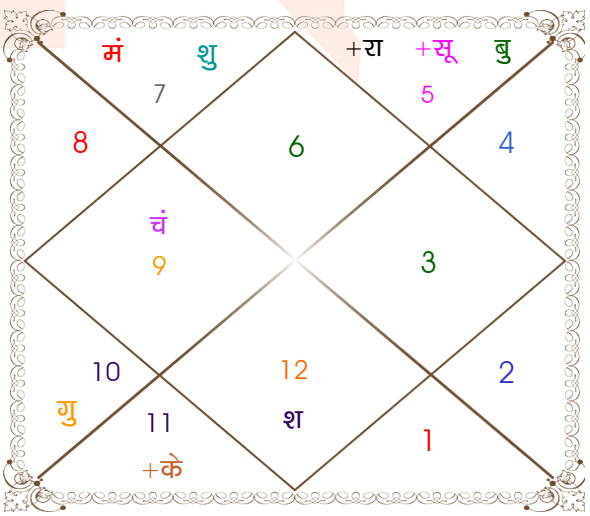

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	वानर	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Vaibhav का वर्ग मार्जार है तथा Falguni का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Vaibhav और Falguni का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Vaibhav मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Falguni मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Vaibhav तथा Falguni में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।